सुब्बरायण चिन्नतम्बी

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
कर्नाटक वाद्य संगीत (नागस्वरम)

तमिलनाडु के अचलपुरम में 14 अप्रैल 1930 को जन्मे, श्री सुब्बरायण चिन्नतम्बी ने नागस्वरम वादन का प्रारंभिक प्रशिक्षण श्री सुब्रमण्या पिल्लई और श्री नटराजसुंदरम पिल्लई जैसे गुरुओं से प्राप्त किया। बाद में, आपने श्री एस.पी.एम. तिरुनावुक्करसु पिल्लई और श्री चिदम्बरम राधाकृष्ण पिल्लई के सानिध्य में अपनी कला को निखारा।

श्री सुब्बरायण चिन्नतम्बी सन् 1957 से नागस्वरम की प्रस्तुति देते आ रहे हैं। आपने चिदम्बरम, तिरुवन्नमलाई, तिरुचेंदुर, शंकरंको के पवित्र मंदिरों में आयोजित होने वाले उत्सवों के साथ–साथ केरल के मंदिरों और नागपुर, नई दिल्ली और श्रीलंका की सभाओं में भी अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आप आकाशवाणी तिरुचि के नियमित कलाकार और कांची पीठम के आस्थाना विद्वान हैं। आप चिदम्बरम स्थित श्री नटराज मंदिर में नागस्वरम बजाने की पारंपरिक पद्धति और वैष्णव परंपराओं से संबद्ध हैं।

नागस्वरम के क्षेत्र में योगदान के लिए आपको कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों और उपाधियों से सम्मानित किया गया है, जिसमें तमिलनाडु इयल इसई नाटक मंद्रम द्वारा दिया गया कलई मामणि पुरस्कार भी शामिल है।

कर्नाटक वाद्य संगीत (नागस्वरम) में योगदान के लिए श्री सुब्बरायण चिन्नतम्बी को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SUPPARAYAN CHINNATHAMBI

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Carnatic Instrumental Music
(Nagaswaram)

Born on 14 April 1930 in Achalpuram, Tamil Nadu, Shri Supparayan Chinnathambi received his early training in Nagaswaram from Shri Subramania Pillai and Shri Natarajasundaram Pillai. Later he was trained by Shri S.P.M. Thirunavukkarasu Pillai and Shri Chidambaram Radhakrishna Pillai.

Shri Supparayan Chinnathambi has been rendering Nagaswaram recitals from the year 1957, mainly in the temple festivals at the holy temples in Chidambaram, Thiruvannamalai, Thiruchendhur, Sankarankovil and also in the temples in Kerala and the sabhas at Nagpur, New Delhi, and Sri Lanka.Shri Suppurayan Chinnathambi is a regular artist of All India Radio, Tiruchi, and, the Asthana Vidhwan of Kanchi Peetam. He is associated with the traditional methodlogy of playing Nagaswaram in Shri Nataraj temple in Chidambaram, and in Vaishnavite traditions.

For his contribution in the field of Nagaswaram, he has been honoured with many prestigious titles and awards. These include the Kalaimamani by Tamil Nadu Iyal Isai Nataka Mandram (2019).

Shri Supparayan Chinnathambi receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Carnatic instrumental music.